e-ISSN: 3048-8796

सूखे फूलों से मूल्य संवर्धित उत्पादः आय बढ़ाने के नए अवसर

विकास यादव[1], रूपाली शर्मा[1] एवं संदीप भारद्वाज[2]

[1] बागवानी विभाग, चौ. चरण सिंह, हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हरियाणा, भारत।

[2] बेसिक इंजीनियरिंग विभाग, चौ. चरण सिंह, हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हरियाणा, भारत।

परिचय

ताजे फूलों का व्यापार करने वाले किसानों के सामने सबसे बड़ी चुनौती उनकी जल्दी सड़ने और खराब होने की प्रकृति की है। खेत से तोड़ने के बाद यदि फूल समय पर बाजार न पहुंचे, तो पंखुड़ियां झड़ने लगती हैं या गल जाती हैं। लंबी दूरी के परिवहन और बदलते तापमान से भी माल का नुकसान होता है। इसके साथ ही, मंडियों में ताजे फूलों के दाम हमेशा एक समान नहीं रहते। त्योहारों और शादी–ब्याह के दिनों में कीमतें अच्छी मिलती हैं, जबकि आम दिनों में लागत निकालना भी कठिन हो जाता है।

इन समस्याओं से बचने के लिए फूलों का मूल्य संवर्धन एक व्यावहारिक तरीका है। सही समय पर फूलों को सुखाकर उनसे नमी निकाल दी जाती है, जिससे फफूंद लगने या सड़ने का जोखिम समाप्त हो जाता है। सुखाया गया फूल काफी महीनों तक अपनी रंगत बनाए रखता है। जब इन्हीं सूखे फूलों से नए सजावटी या उपयोगी सामान बनाए जाते हैं, तो उत्पादक को बाजार में ताजे फूलों की तुलना में बेहतर कीमत प्राप्त होती है।

सुखाने की विधियां और उपयुक्त फूल

सूखे फूल तैयार करने के लिए मुख्य रूप से ये विधियां अपनाई जाती हैं:

- **हवा में सुखाना** : लिमोनियम, हेलीक्राइसियम, जिप्सोफिला, गॉम्फ्रेना और लैवेंडर।
- **दबाकर सुखाना** : पैंजी, गुलाब की पंखुड़ियां, डेल्फिनियम, वर्बेना और फर्न की पत्तियां।
- **सिलिका जेल विधि** : गुलाब, जरबेरा, डहेलिया और कार्नेशन।
- **माइक्रोवेव और फ्रोज डाइंग** : ऑर्किड, कमल और प्रीमियम किस्म के गुलाब।

सूखे फूलों से बनने वाले प्रमुख मूल्य संवर्धित उत्पाद

1. पोटपोरी

पोटपोरी सूखे फूलों, पंखुड़ियों, सुगंधित पत्तियों, प्राकृतिक मसालों और सुगंधित तेलों का एक संतुलित मिश्रण होता है। यह घरों, दफ्तरों, होटलों और रिसॉर्ट्स में वातावरण को महकाने के लिए उपयोग किया जाता है।

- **आवश्यक सामग्रीः** सुखाए गए गुलाब, लैवेंडर, चमेली, लिली और हायसिन्थ की पंखुड़ियां। इसके साथ दालचीनी, लौंग और सौंफ जैसे प्राकृतिक मसाले मिलाए जाते हैं।
- **फिक्सेटिव का उपयोगः** सुगंध को लंबे समय तक टिकाए रखने के लिए मिश्रण में ऑरिस रूट पाउडर या सिनामोन मिलाया जाता है। यह घटक सुगंधित तेलों के वाष्पीकरण की गति को धीमा करता है।
- **बनाने की प्रक्रियाः** सूखे फूलों की पंखुड़ियों को एक कांच के बर्तन में लें। इसमें मसाले, ऑरिस रूट पाउडर और एसेंशियल ऑयल की कुछ बूंदें मिलाएं। बर्तन को अच्छी तरह बंद करके लगभग एक सप्ताह तक किसी ठंडी और अंधेरी जगह पर रखें। बीच–बीच में बर्तन को हिलाते रहें ताकि खुशबू पूरी तरह पंखुड़ियों में समा जाए।
- **पैकेजिंग और उपयोगः** इसे कांच के बाउल, सेरामिक पात्रों, लकड़ी के बक्सों या जूट व कपड़े के छोटे पाउच में भरकर बेचा जाता है। कपड़ों की अलमारियों और दराजों में प्राकृतिक महक बनाए रखने के लिए भी लोग इसे रखते हैं।

2. हर्बल चाय और इन्फ्यूजन

स्वास्थ्य के प्रति जागरूक लोगों के बीच कैफीन–रहित फ्लोरल टी की मांग में बढ़ोतरी देखी जा रही है।

- **उपयुक्त किस्में:** कैमोमाइल, गुड़हल, गुलाब और लैवेंडर।
- **तैयारी और स्वच्छताः** चाय के लिए उपयोग किए जाने वाले फूलों को रासायनिक कीटनाशकों से मुक्त वातावरण में उगाया जाता है। इन्हें स्वच्छ ड्रायर में सुखाया जाता है ताकि धूल–मिट्टी न पड़े।

e-ISSN: 3048-8796

- **प्रस्तुतिः** साबुत पंखुड़ियों को छांटकर जिपलॉक या एल्युमिनियम फॉयल वाले डिब्बों में पैक किया जाता है। इन्हें गर्म या ठंडे पानी में मिलाकर पिया जाता है।

चित्र 1: पोटपूरी (स्रोतः गूगल/इंटरनेट)

चित्र 2: हर्बल चाय (स्रोतः गूगल/इंटरनेट)

3. सजावटी हस्तशिल्प एवं अलंकरण

सूखे फूल साधारण हस्तशिल्प वस्तुओं को भी सुंदर रूप प्रदान करते हैं। प्राकृतिक और हस्तनिर्मित सामान पसंद करने वाले ग्राहक इन उत्पादों की मांग करते हैं।

- **उत्पाद की विविधताः** सूखी टहनियों और छल्लों से बने डोर व्रेथ, सजावटी टोकरियां, कैंडल होल्डर, ज्वेलरी बॉक्स, गिफ्ट बॉक्स और स्मृति–चिह्न।
- **प्राकृतिक तत्वों का मेलः** फूलों के साथ देवदार के शंकु, सूखे फल, बीज और छाल को एक साथ जोड़कर डिजाइन तैयार किए जाते हैं।
- **बिक्री के अवसरः** स्थानीय हस्तशिल्प मेलों, क्राफ्ट प्रदर्शनियों, उपहार की दुकानों और ई–कॉमर्स प्लेटफॉर्म के माध्यम से इनकी बिक्री की जाती है।

4. खाद्य उपयोग के लिए सूखे पुष्प

कुछ चुनिंदा फूलों की सूखी पंखुड़ियों को खाने–पीने की चीजों में इस्तेमाल किया जाता है।

- **उपयुक्त प्रजातियांः** गुलाब, गुड़हल, कैमोमाइल, कैलेंडुला और वॉयलेट।
- **उपयोगः** बेकरी उत्पादों जैसे केक, कुकीज और चॉकलेट की सजावट में इनका उपयोग होता है। जैम, जेली, शर्बत और सलाद की गार्निशिंग में भी इन्हें मिलाया जाता है।
- **मानकः** खाद्य उपयोग के लिए तैयार फूलों को है।ए जैसे खाद्य सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए संसाधित करना अनिवार्य होता है।

चित्र 3: डोर व्रेथ (स्रोतः गूगल/इंटरनेट)

चित्र 4: खाने योग्य फूल (स्रोतः गूगल/इंटरनेट)

e-ISSN: 3048-8796
AGRIDRISHTI

5. प्रेस्ड फ्लावर आर्ट

दबाकर सुखाए गए फूलों और पत्तियों से कई तरह के हस्तशिल्प सामान तैयार किए जाते हैं। इस विधि में फूलों का प्राकृतिक आकार और रंग सुरक्षित रहता है।

- **प्रमुख उत्पादः** ग्रीटिंग कार्ड, बुकमार्क, फोटो फ्रेम, वॉल हैंगिंग, गिफ्ट टैग, लैम्प शेड, टेबल टॉप, कैलेंडर और डायरी कवर।
- **उपयुक्त सामग्रीः** इसके लिए पतली और चपटी पंखुड़ियों वाले फूल जैसे पैंजी, डेल्फिनियम, जिप्सोफिला, छोटे गुलाब और फर्न की पत्तियों का उपयोग होता है।
- **संरक्षण तकनीकः** तैयार कलाकृतियों को धूल, नमी और धूप से बचाने के लिए कांच की लेमिनेशन या पारदर्शी सुरक्षात्मक कोटिंग की जाती है।

6. स्नान एवं सौंदर्य उत्पाद

प्राकृतिक प्रसाधनों के निर्माण में सूखे फूलों का सीधा उपयोग होता है।

- **बाथ साल्ट और बाथ बॉम्बः** सेंधा नमक या समुद्री नमक में सुखाया गया लैवेंडर, कैमोमाइल और सुगंधित तेल मिलाकर बाथ साल्ट बनता है।
- **हर्बल साबुन और स्क्रबः** पारदर्शी सोप बेस में कैलेंडुला या गुलाब की पंखुड़ियां मिलाकर साबुन तैयार किए जाते हैं। बॉडी स्क्रब और फेस पैक में भी इनका पाउडर मिलाया जाता है।

चित्र 5: प्रेस्ड फ्लावर आर्ट (स्रोतः गूगल/इंटरनेट)

चित्र 6: हर्बल साबुन (स्रोतः गूगल/इंटरनेट)

7. ड्राइड फ्लावर अरेंजमेंट

सूखे फूलों, सूखी घास, बीजों और टहनियों को आपस में मिलाकर सजावटी पुष्प संयोजन तैयार किया जाता है। इन्हें बार–बार पानी देने या बदलने की आवश्यकता नहीं होती, इसलिए होटलों, कार्यालयों, रेस्तरां और आयोजनों में इनका उपयोग होता है।

- **सज्जा के प्रकारः** टेबल डिस्प्ले, फ्लोर वेस अरेंजमेंट, कॉर्नर सजावट और वॉल हैंगिंग अरेंजमेंट।
- **कलात्मक शैलियांः** इसमें जापानी पुष्प सज्जा कला 'इकेबाना' तथा इसकी शैलियों 'मोरिबाना' और 'नागेइरे' का उपयोग किया जाता है। इन शैलियों में कम से कम सामग्री के साथ प्राकृतिक रेखाओं और कोणों का संतुलन बनाया जाता है।
- **आधार सामग्रीः** लंबे तने वाले सूखे फूलों (जैसे पम्पास ग्रास, जिप्सोफिला और स्टेटिस) को सेरामिक या मिट्टी के बर्तनों में सूखी फ्लोरल फोम की मदद से स्थिर किया जाता है।

8. आवश्यक तेल और सुगंधित उत्पाद

कई सुगंधित फूलों में वाष्पशील यौगिक होते हैं। निष्कर्षण प्रक्रिया द्वारा इनसे शुद्ध आवश्यक तेल निकाले जाते हैं।

- **निष्कर्षण की विधिः** भाप आसवन विधि में गुलाब, लैवेंडर और चमेली जैसे फूलों से भाप के जरिए तेल अलग किया जाता है।
- **बाय–प्रोडक्ट (फ्लोरल वॉटर):** आसवन प्रक्रिया के बाद बचा हुआ पानी गुलाब जल या 'हाइड्रोसोल'

e-ISSN: 3048-8796

के रूप में एकत्र कर लिया जाता है।

- **उपयोगः** इन तेलों का उपयोग इत्र, धूपबत्ती, सुगंधित मोमबत्तियां, रूम फ्रेश्नर, साबुन, क्रीम और बॉडी लोशन बनाने में किया जाता है।

चित्र 7: ड्राइड फ्लावर अरेंजमेंट (स्रोतः गूगल/इंटरनेट)

चित्र 8: एसेंशियल ऑयल्स (स्रोतः गूगल/इंटरनेट)

गुणवत्ता नियंत्रण और पैकेजिंग

- **नमी का स्तरः** सुखाए गए फूलों में नमी की मात्रा नियंत्रित रहनी चाहिए। अत्यधिक नमी रहने पर डिब्बे में बंद करने के बाद फफूंद लग जाती है।
- **धूप से बचावः** सुखाने के दौरान और भंडारण के समय सीधे सूर्य के प्रकाश से बचाना आवश्यक है, अन्यथा पंखुड़ियों का रंग फीका पड़ सकता है।
- **पैकेजिंग तकनीकः** सजावटी सामान के लिए क्राफ्ट पेपर बॉक्स और पारदर्शी खिड़की वाले डिब्बों का उपयोग होता है। हर्बल चाय और खाद्य पुष्पों को नमी–रोधी ट्रिपल–लेयर पाउच में पैक किया जाता है।

निष्कर्ष

फूलों का केवल ताजे रूप में व्यापार करने के बजाय उन्हें सुखाकर अलग–अलग उपयोगी सामान तैयार करना एक व्यावहारिक रास्ता है। इससे मौसम या मंडी के उतार–चढ़ाव से होने वाले नुकसान का जोखिम घटता है। सही तकनीक, स्वच्छता और आकर्षक प्रस्तुति के साथ सूखे फूलों से बने उत्पाद स्थानीय और ऑनलाइन दोनों बाजारों में अपनी जगह बना सकते हैं।

Corresponding E-mail:
vikasydv100@gmail.com